



भारत का दावत The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—पांड 3—उप-पांड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्रीमियर द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 615]

दर्दि विल्ली, बहस्तरियार, सितम्बर 17, 1992/माहपत्र 26, 1914

No. 615] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 17, 1992/BHADRA 26, 1914

इस भाग में भिन्न वृक्ष संस्था वी जाती है जिससे कि यह वस्तु संकलन के काम में
रुचा आ रहे

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation.

वित्त मंत्रालय

(प्राधिक कार्य विभाग)

प्रधिसूचना

नई विल्ली, 15 सितम्बर, 1992

का. आ. 695(अ)---केन्द्रीय सरकार, विदेशी मुद्रा विनियमन
प्रधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 19 की उपधारा (6)
द्वारा प्रवक्त विभिन्नों का प्रयोग करते हुए, यह राय होने पर कि सोकहित में
ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है, भारत के बाहर निवासी किसी
ऐसे व्यक्ति द्वारा, जो भारतीय राष्ट्रीयता का व्यक्ति है, भारतीय
मूल का व्यक्ति है (जिसे इसके पश्चात् अन्तरक कहा गया है)
किसी ऐसे व्यक्ति को, जो भारत में निवासी है, भारतीय राष्ट्रीयता का
व्यक्ति है (जिसे इसके पश्चात् अन्तरिती कहा गया है) भारत
में रजिस्ट्रीकृत किसी कम्पनी के अंशों (सेवरों) के बान के रूप में
किए गए किसी अन्तरण को, उक्त धारा की उपधारा (5) के प्रवर्तन
से कृप्त देती है;

परन्तु यह तब जब कि--

(i) पूर्वोक्त अंश (सेवर) अन्तरक द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक
की साधारण या विनियिष्ट अनुकूल से धारित थे;

(ii) अंशों (सेवरों) का अन्तरक द्वारा प्रपत्रे निकट नालेदार
को किया गया था;

(iii) अन्तरण के संबंध में व्यव अन्तरक की दशा में उसके द्वारा
सामान्य बैंककारी प्रणाली के माध्यम से भारत के बाहर
से भेजे गए धन से किया गया था या उसके ऐसी बैंक
के, जो भारत में विदेशी मुद्रा का संव्यवहार करने के लिए
प्राधिकृत है। बैंक में धनवा किसी प्राधिकृत सरकारी बैंक
धनवा प्राधिकृत वाणिज्य बैंक के अनिवासी करेसी/
अनिवासी साधारण खाता में रखी गई निविदों से किया
गया था।

स्पष्टीकरण--इस प्रधिसूचना के प्रयोजनों के लिए--

(1) कोई व्यक्ति, भारतीय मूल का समाजा जाएगा यदि--

(i) उसके पास किसी समय भारतीय पासपोर्ट था,
या

(ii) वह धनवा उसके माता या पिता में से कोई व्यक्ति
उसके पितामह या पितामही या मातामही में से
कोई भारत के संविधान या नामरिकता प्रधिनियम, 1955

(1955 का 57) के आधार पर भारत का नामरिक
था;

परन्तु पाकिस्तान, बांगलादेश, नेपाल, भूटान और श्रीलंका का नागरिक भारतीय मूल का नहीं समझा जाएगा।

(I) भारत के नागरिक की पूँजी अथवा भारतीय मूल का कोई व्यक्ति (जो पाकिस्तान, बांगलादेश, नेपाल, भूटान या श्रीलंका का नागरिक नहीं है) भारतीय मूल का समझा जाएगा।

(III) "निकट का जातेवार" अविवाकित का वही प्रयोग होगा जो कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) में है।

[का.सं. 10/31/92-एन.आर.आई. रेखा]
नारायण वलुरी, संयुक्त सचिव]

(iii) The expenditure in connection with transfer was met in case of the transferor out of the money remitted from outside India by him through normal banking channels or met out of the funds held in his non-resident Foreign currency Non Resident Non Resident ordinary Account with a bank authorised to deal in foreign exchange in India or with an authorised co-operative bank or authorised commercial bank.

Explanation :—For the purposes of this notification,—

(I) person shall be deemed to be of Indian origin if—

(i) he, at any time, held Indian passport, or
(ii) he or either of his parents or any his grand parents was citizen of India by virtue of the Constitution of India or the Citizenship Act, 1955 (57 of 1955). Provided that a citizen of Pakistan, Bangladesh, Nepal, Bhutan and Sri Lanka shall be deemed to be not of Indian origin.

(II) A wife of citizen of India or a person of Indian origin (not being a citizen of Pakistan, Bangladesh, Nepal, Bhutan or Sri Lanka) shall be deemed to be of Indian origin.

(III) The expression "close relative" shall have the meaning as given in the Companies Act, 1956 (I of 1956).

[F. No. 10/31/92-NRI Cell]
NARAYAN VALLURI, Jt. Secy.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th September, 1992

S.O. 695(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 19 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973), the Central Government, being of the opinion that it is necessary and expedient in public interest so to do, hereby exempts from the operation of sub-section (5) of the said section, any transfer by way of gift, of shares of a company registered in India made by a person resident outside India being a person of Indian nationality or a person of Indian origin (hereinafter referred to as the transferor) to a person resident in India being a person of Indian nationality (hereinafter referred to as the transferee).

Provided that :—

- (i) the aforesaid shares were held by the transferor with either general or specific permission of the Reserve Bank of India;
- (ii) transfer of shares was made by the transferor to his close relative;